www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 81 | जौनपुर, शुक्रवार, 06 नवम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

मकोका मामले में दिल्ली अदालत का सख्त फैसला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पांच नवंबर दिल्ली की एक अदालत ने संगठित अपराध गिरोह चलाने के मामले में बृहस्पतिवार को पांच लोगों को महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के कड़े प्रावधानों के तहत उम्रकैद की सजा सुनाई। अदालत ने कहा कि आरोपियों के ''सुधरने की कोई उम्मीद नहीं है''। विशेष न्यायाधीश गौरव राव दोषियों –भूषण उर्फ भारत भूषण उर्फ टोनी, नीरज उर्फ कल्लू, विकास भारद्वाज, जितेंद्र उर्फ जीतू और दीपक उर्फ मंतर– को सजा की अवधि को लेकर दोनों पक्षों की दलीलें सुन रहे थे। नीरज को छोड़कर बाकी सभी को मकोका की धारा 3(1)(2) के तहत भी दोषी ठहराया गया था। अदालत ने कहा, ''न्याय के उद्देश्य की पूर्ति तभी होगी, जब दोषियों को मकोका की धारा 3(4) के तहत अपराध के लिए उम्रकैद की सजा सुनाई जाये और इस अपराध के लिए प्रत्येक पर पांच लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया जाये।'' अभियोजक ने अपराधों की गंभीरता को देखते हुए अधिकतम सजा देने का अनुरोध किया था। उनका तर्क था कि दोषियों के प्रति किसी तरह की नरमी नहीं बरती जानी चाहिए। उन्होंने अदालत को बताया कि दोषी ''काफी समय से कई गंभीर अपराधों में लिप्त रहे हैं''। बचाव पक्ष ने अनुरोध किया कि दोषियों को अब तक जेल में बिताई गई अवधि को ही उनकी सजा माना जाये।

सवैधानिक संस्थाओं को कटघरे में खड़ा करना कांग्रेस की प्रवृत्ति - सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गाजियाबाद में भाजपा की श्लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओश पदयात्रा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने स्वार्थ के लिए दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को अविश्वसनीय बनाने की कोशिश कर रही है. संवैधानिक संस्थाओं पर अपमानजनक टिप्पणी करना और उन्हें कटघरे में खड़ा करना कांग्रेस की प्रवृत्ति बन चुकी है. सीएम योगी ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं पर अनर्गल टिप्पणी करके और लोकतंत्र के प्रति अनास्था व्यक्त करके कांग्रेस



भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की विरासत को अपमानित करने का पाप कर रही है. उन्होंने कहा कि यह वही कांग्रेस है जिसने 1975 में देश में आपातकाल लागू किया था. आपातकाल की मानसिकता के साथ चलने वाली कांग्रेस जब आज लोकतंत्र पर उपदेश देती है तो यह हास्यास्पद स्थिति पैदा करती है.। सीएम योगी आदित्यनाथ ने चुनावी नतीजों को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल यह मानने को तैयार नहीं हैं कि चुनाव में जीत उनकी मेहनत का परिणाम हो सकती है. चुनाव जीतने पर इसे अपना पुरुषार्थ बताते हैं, जबकि हारने पर म्टड पर दोषारोपण करते हैं. उन्होंने कहा कि देश का हर नागरिक लोकतंत्र के प्रति जागरूक है और लोकतंत्र के रास्ते में आने वाली बाधाओं को दूर करना जानता है. सीएम योगी ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि राहुल गांधी हर बार फेल होते हैं और कांग्रेस ने देश को कटघरे में खड़ा करने का काम किया है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जब भी मौका मिला, उसने देश की छवि को नुकसान पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी.। योगी ने कांग्रेस के शासनकाल का जिक्र करते हुए कॉमनवेल्थ, फर्टिलाइजर, 2जी और कोयला घोटालों का उल्लेख किया.।

नोएडा के वरिष्ठ पत्रकार पवन राज सिंह की डाक्यूमेंट्री फिल्म 'पृथ्वी वासी' को अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में मिला सम्मान

ब्यूरो चीफ
/सत्य प्रकाश उपाध्याय

नोएडा (गौतमबुद्ध नगर)। नोएडा के वरिष्ठ पत्रकार एवं फिल्म निर्माता पवन राज सिंह की डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'पृथ्वी वासी' ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। फिल्म सिटी स्थित मारवाह स्टूडियो में इंटरनेशनल चौंबर ऑफ मीडिया एंड एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री द्वारा आयोजित 14वें इंटरनेशनल डॉक्यूमेंट्री फिल्म फेस्टिवल–2026 में फिल्म का चयन किया गया। उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए फिल्म को अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। फिल्म निर्माता पवन राज सिंह ने बताया कि डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'पृथ्वी वासी' में मानव सभ्यता की शुरुआत से लेकर आधुनिक युग तक के विकास और उसके विभिन्न



पड़ावों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इससे पहले भी वह 'श्रीजी गौ सदन', 'इस्कॉन मंदिर नोएडा' और 'हाउस ऑफ स्ट्रे एनिमल्स' जैसी महत्वपूर्ण डॉक्यूमेंट्री फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। इस उपलब्धि पर उन्होंने अपनी पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि फिल्म की सफलता टीम के सदस्यों की मेहनत, समर्पण और रचनात्मक सोच का परिणाम है। फिल्म की स्क्रिप्ट, रिसर्च और एडिटिंग में पंकज शर्मा श्राज अत्रीश तथा वॉइस ओवर में आर्टिस्ट आर. जे. गगन का विशेष योगदान रहा। सम्मान प्राप्त करने के बाद पवन राज सिंह ने फिल्म के चयन और सम्मान के लिए इंटरनेशनल चौंबर ऑफ मीडिया एंड एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के अध्यक्ष डॉ. संदीप मारवाह एवं ज्यूरी के सभी सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. संदीप मारवाह ने बताया कि 14वें अंतरराष्ट्रीय डॉक्यूमेंट्री फिल्म महोत्सव को शानदार प्रतिक्रिया मिली। प्रतियोगिता श्रेणी के लिए कुल 150 डॉक्यूमेंट्री फिल्मों का चयन किया गया था। डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रतिभा और रचनात्मक कार्यों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न श्रेणियों में कुल 23 पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त युवा फिल्म निर्माताओं को प्रोत्साहित करने और नई पीढ़ी के रचनात्मक कहानीकारों को मंच देने के लिए छात्रों की 11 फिल्मों को भी सम्मानित किया गया। पवन राज सिंह की इस उपलब्धि को नोएडा के पत्रकारिता एवं फिल्म निर्माण जगत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

धनतेरस,दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,यम द्वितीया,भैया दूज पर्व पर जिले वासियो को हार्दिक बधाई व शुभकामनायें



प्रोपराइटर विशाल श्रीवास्तव
भवदीय पब्लिक स्कूल के सामने मोहबरा बाईपास अयोध्या

धनतेरस,दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,यम द्वितीया,भैया दूज पर्व पर जिले वासियो को हार्दिक बधाई व शुभकामनायें



प्रोपराइटर - जय शंकर श्रीवास्तव
मुहल्ला - साहबगंज, रामपथ मार्ग, अयोध्या
मोबाइल नंबर -9415000722, 9450909933

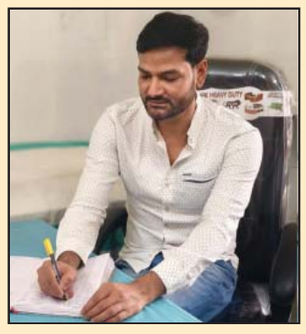
धनतेरस,दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,भैया दूज पर्व पर सभी जनपद वासियो को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

पी. अमित कुमार
एडवोकेट
इलाहाबाद हाईकोर्ट
मोबाइल नंबर -
9451175204



धनतेरस,दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,भैया दूज पर्व पर सभी जनपद वासियो को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

डा. राहुल चौधरी
सी एच सी बेवा
चौराहा सिद्धार्थनगर
8587090538
मोबाइल नंबर



धनतेरस,दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,भैया दूज पर्व पर सभी जनपद वासियो को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

Director. Vinay
Kumar Verma
NH - 27 Nearby
Era hotel
Mahobara
Bypass, Ayodhya
Mob No -
9628090226





हिन्दी दैनिक समाचार पत्र 'देश की उपासना परिवार' की ओर से सभी जौनपुर जनपदवासियों एवं प्रदेश वासियों तथा देशवासियों को धनतेरस, दसवें दीपोत्सव, छोटी व बड़ी दीपावली, भैया दूज पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

सम्पादक

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

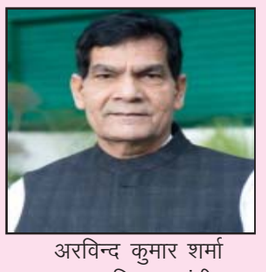
कार्यालय नगर निगम, अयोध्या



मा0 प्रधानमंत्री
नरेंद्र मोदी



मा0 मुख्यमंत्री
योगी आदित्यनाथ



अरविन्द कुमार शर्मा
नगर विकास मंत्री



मा0. गिरीश पति त्रिपाठी
अयोध्या नगर निगम

समस्त नगर वासियों को दीपोत्सव पर्व–2026 की हार्दिक शुभकामनाएं।

सम्मानित नगरवासियों से विशेष आग्रह–

1. नगर निगम की सफाई व्यवस्था में सहयोग करें, सफाई के उपरान्त कूड़ा सड़कों पर न फेंके। सम्बन्धित सफाई मित्र/डोर टू डोर संग्रहण संस्था के वाहन को ही दें।
2. नगर निगम को स्वच्छ सुन्दर रखने हेतु अपने आस पास रिक्त भूमि पर वृक्षारोपण अवश्य करें व वृक्षों का सरंक्षण करते हुए पर्यावरण को स्वच्छ रखने में सहयोग करें।
3. घर से निकलने वाले कूड़े को सूखे एवं गीले कूड़े को कमशः नीले एवं हरे कूड़ेदान में रखे व पृथक किये गये कूड़े को ही डोर टू डोर संस्था के सफाई मित्र को दें।
4. पॉलीथीन का प्रयोग कदापि न करें, यह प्रकृति, पर्यावरण एवं स्वयं के लिए सर्वाधिक घातक है। सूती/कॉटन के थैले का उपयोग करें।
5. गृहकर जलकर का ससमय से भुगतान करके नागरिक दायित्व का निर्वहन करते हुए नगर के विकास में अमूल्य योगदान दें।

आपका सहयोग, हमारा प्रयास।

नगर का हो, सर्वांगीण विकास ।।

समस्त पार्षदगण
नगर निगम अयोध्या।

जयेन्द्र कुमार
नगर आयुक्त
नगर निगम अयोध्या।

म० गिरीश पति त्रिपाठी
महापौर
नगर निगम अयोध्या।

संपादकीय

गठबंधन बनाने की ऊबाऊ प्रक्रिया

अब इजराइल में गठबंधन बनाने की ऊबाऊ प्रक्रिया शुरू होगी। विपक्षी नेता गादी आसेनकोट ने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है। इसलिए कुछ दिन रहस्य बना रहेगा, लेकिन बाजी आखिरकार शायद नेतन्याहू के हाथ ही रहेगी! इजराइल में फिर बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व में सरकार बनने की संभावना बनती दिख रही है। हालांकि ताजा चुनाव में किसी पार्टी या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला, लेकिन मौजूदा सियासी समीकरणों के बीच ऐसा लगता है कि नेतन्याहू की स्थिति मजबूत है। चुनाव रुझानों के मुताबिक 120 सदस्यीय केनेसेट (संसद) में नेतन्याहू की अपनी पार्टी लिकुड को तो महज 28 सीटें ही मिलीं, लेकिन धुर–दक्षिणपंथी ऐसे 57 सांसद जीत कर आए हैं, जिनका समर्थन वर्तमान प्रधानमंत्री को मिल सकता है। नतीजे सामने आने के बाद राष्ट्र के नाम संबोधन में नेतन्याहू ने दावा किया कि श्दक्षिणपंथी पार्टियों को निर्णायक जीतत्य मिली है। इस आधार पर उन्होंने आह्वान किया श्राष्ट्रीय दक्षिणपंथी सरकारस्य का गठन होना चाहिए। उचित ही इस अपील को उन छोटे दलों को अपनी ओर खींचने का दांव माना गया है, जो यहूदीवादी (मजहबी) एजेंडे को लेकर मतदाताओं के बीच गए थे। वैसे, जिन मुद्दों और सवालों के बीच यह चुनाव हुआ, उनके मद्देनजर यह कहा जाएगा कि नेतन्याहू इजराइली राजनीति में अपने प्रभाव का फिर मुजाहिरा करने में कामयाब रहे हैं। भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों, प्रशासनिक अकुशलता की शिकायतों, और सात अक्टूबर 2023 के हमास के हमलों के दौरान सरकारी नाकामी के तमाम कथानकों के बीच लिकुड का सबसे बड़ी पार्टी बने रहना संकेत है कि इजराइली आवाम के एक बड़े हिस्से को आज भी नेतन्याहू का कोई विकल्प नजर नहीं आता। इस सिलसिले में अमेरिकी समर्थन भी एक बड़ा पहलू है, जिसकी इजराइली सियासत में हमेशा निर्णायक किस्म की भूमिका रही है। इस चुनाव के दौरान दो बार अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने खुलेआम नेतन्याहू के लिए अपने समर्थन का एलान किया। इससे संदेश गया कि अमेरिका का बेहिचक समर्थन बनाए रखने के लिए नेतन्याहू का नेतृत्व जरूरी है। अनुमान लगाया जा सकता है कि युद्ध के मौजूदा माहौल में इस पहलू ने अनेक मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित किया होगा। अब इजराइल में गठबंधन बनाने की ऊबाऊ प्रक्रिया शुरू होगी। विपक्षी नेता पूर्व सेनाध्यक्ष गादी आसेनकोट ने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है। इसलिए कुछ दिन रहस्य बना रहेगा, लेकिन बाजी आखिरकार शायद नेतन्याहू के हाथ ही रहेगी!

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से देश के सामने उभरी नई चिंता

नीरज

भारत में जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग करने वालों के लिए सुप्रीम कोर्ट की ताजा टिप्पणी एक बड़ा झटका है। जिस देश में बढ़ती आबादी को सबसे बड़ी चुनौती बताकर दो बच्चों की नीति लागू करने की मांग जोर–शोर से उठाई जा रही थी, उसी देश में अब प्रजनन दर इतनी नीचे पहुंच चुकी है कि सुप्रीम कोर्ट को दो बच्चों से अधिक संतान होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानूनों की प्रासंगिकता पर ही सवाल उठाना पड़ा है। हम आपको बता दें कि 4 नवंबर को आए फैसले में अदालत ने साफ कहा है कि दो से अधिक बच्चे होने पर लोगों को दंडित करने वाले कानून अपनी प्रासंगिकता खो चुके हैं। यह टिप्पणी केवल किसी एक राज्य के पंचायत चुनाव या किसी एक महिला की चुनावी पात्रता तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत के बदलते जनसांख्यिकीय भविष्य की तरफ एक बड़ा संकेत है। हम आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की अगुवाई में महाराष्ट्र की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव इंगले के मामले की सुनवाई करते हुए 2003 के ऐतिहासिक जावेद बनाम हरियाणा राज्य फैसले पर पुनर्विचार के लिए मामला बड़ी पीठ को भेज दिया था। उस समय अदालत ने दो बच्चों से अधिक संतान होने पर पंचायत चुनाव लड़ने से रोकने वाले हरियाणा के कानून को वैध ठहराया था। लेकिन अब अदालत के सामने तस्वीर बदल चुकी है। वर्ष 2003 में भारत की कुल प्रजनन दर 3.02 थी, जो 2024 में घटकर 1.9 रह गई है। अदालत ने स्पष्ट किया कि 2.1 की प्रजनन दर को प्रतिस्थापन स्तर माना जाता है, यानी वह स्तर जिस पर एक पीढ़ी अपनी संख्या अगली पीढ़ी में बनाए रख सकती है। भारत इस सीमा से नीचे जा चुका है। देखा जाये तो इस पूरे मामले को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है। भारत की कुल आबादी अभी भी बढ़ रही है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि भारतीय परिवारों में बच्चों की संख्या भी बढ़ रही है। देश की आबादी में वृद्धि का एक बड़ा कारण क्मउवहतंचीपब डवउमदजनउ है। यानी पहले के दशकों में पैदा हुई बड़ी आबादी अब युवा और प्रजनन योग्य आयु में है। इसलिए प्रति महिला बच्चों की औसत संख्या घटने के बावजूद कुल जन्म और आबादी में वृद्धि जारी रह सकती है। यही वह तथ्य है जिसे जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग करने वाली बहस अक्सर नजरअंदाज कर देती है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले में 1971 से 2024 के बीच प्रजनन दर में आई गिरावट का भी उल्लेख है। इस अवधि में 5.2 से घटकर 1.9 हो गई। –5 के आंकड़ों में भी 2019–21 के दौरान यह दर 2.0 दर्ज की गई थी। अदालत ने 2024 के लिए 6 के आंकड़ों का हवाला देते हुए लगभग 2.0 का उल्लेख किया है। यानी भारत में छोटा परिवार अब केवल सरकारी नारा नहीं, बल्कि सामाजिक वास्तविकता बन चुका है। हालांकि इस राष्ट्रीय औसत के पीछे क्षेत्रीय असमानताएं भी हैं। बिहार में ज्ध्त् 3.0, उत्तर प्रदेश में 2.4 और मेघालय में 2.9 दर्ज की गई थी, जबकि दिल्ली में 1.6, पश्चिम बंगाल में 1.6 और महाराष्ट्र में 1.7 थी। ये –5 के राज्यवार आंकड़े हैं। इसका मतलब है कि पूरे देश पर एक समान दो बच्चों का कानूनी प्रतिबंध थोपने का आधार और भी कमजोर पड़ता है। देश के अलग–अलग राज्यों की जनसांख्यिकीय परिस्थितियां एक जैसी नहीं हैं। देखा जाये तो सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में एक और बेहद महत्वपूर्ण पहलू उठाया है। दो से अधिक बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने का कानून केवल जनसंख्या नियंत्रण का मामला नहीं है, बल्कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व और महिलाओं के अधिकारों से भी जुड़ा है। महाराष्ट्र की मंगला भीमराव इंगले को तीसरी संतान होने के कारण सरपंच पद के लिए अयोग्य ठहराया गया था। अदालत ने कहा कि किसी व्यक्ति की सार्वजनिक पद संभालने की योग्यता का उसके बच्चों की संख्या से सीधा संबंध नहीं है। ऐसे प्रतिबंध महिलाओं को प्रजनन संबंधी फैसले और लोकतांत्रिक भागीदारी के बीच चुनाव करने के लिए मजबूर करते हैं। साथ ही इस फैसले का सबसे गंभीर पहलू देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने जापान और चीन के उदाहरणों का उल्लेख करते हुए बताया कि कम प्रजनन दर के परिणाम कितने गंभीर हो सकते हैं। चीन ने पहले एक बच्चे की नीति अपनाई, लेकिन बाद में दो और फिर तीन बच्चों की अनुमति देनी पड़ी। इसके बावजूद वहां जन्म दर में अपेक्षित उछाल नहीं आया। भारत के लिए यह एक महत्वपूर्ण चेतावनी है। अदालत के मुताबिक देश में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की हिस्सेदारी 2014 के 8.3 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 9.7 प्रतिशत हो गई है और 2036 तक इसके करीब 15 प्रतिशत पहुंचने का अनुमान है। इससे कामकाजी आबादी का अनुपात घटने, पेंशन, स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक सुरक्षा पर खर्च बढ़ने का खतरा है। यही वह बिंदु है जहां जनसंख्या



नियंत्रण कानून की मांग और वास्तविक जनसांख्यिकीय आंकड़ों के बीच टकराव दिखाई देता है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा आबादी रही है। यही आबादी उद्योग, सेना, कृषि, सेवा क्षेत्र और उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था को गति देती है। लेकिन यदि आने वाले दशकों में युवाओं का अनुपात तेजी से घटता है तो भारत के सामने श्रमशक्ति की कमी और बुजुर्गों की बढ़ती निर्भरता जैसी चुनौतियां खड़ी होंगी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जनसंख्या संबंधी नीति का आधार अब बदलती वास्तविकताओं के अनुरूप होना चाहिए। अदालत ने यहां तक कहा कि पहले जिस अधिक आबादी को विकास में बाधा माना जाता था, आज परिस्थितियां बदल चुकी हैं और स्वस्थ जनसंख्या वृद्धि की जरूरत पर भी ध्यान देना होगा। बहरहाल, अदालत का यह फैसला भारत की जनसंख्या बहस में एक निर्णायक मोड़ है। देश की आबादी का विशाल होना और देश की प्रजनन दर का कम होना दो अलग–अलग तथ्य हैं। इन्हें एक ही नजरिये से देखना भविष्य की बड़ी गलती साबित हो सकता है। दो बच्चों की अनिवार्यता और तीसरी संतान पर राजनीतिक अधिकार छीनने जैसी व्यवस्थाओं के औचित्य पर अब सुप्रीम कोर्ट ने ही गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जनसंख्या नियंत्रण के नाम पर कानून बनाने की मांग करने वालों के सामने अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब देश प्रतिस्थापन प्रजनन दर से नीचे जा चुका है, तब और अधिक प्रतिबंधों की मांग आखिर किस जनसांख्यिकीय वास्तविकता पर आधारित है?

यूपी में भाजपा की पदयात्रा का मेगा प्लान लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ के राजनीतिक निहितार्थ



कमलेश

आखिर विपक्ष के नैरेटिव का जवाब देने की भाजपा की रणनीति कितनी जबर्दस्त है? इस पदयात्रा का पहला राजनीतिक निहितार्थ विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों का जवाब देना है, क्योंकि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठा रहा है। उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में भाजपा नीत राजग और कांग्रेस नीत इंडी गठबंधन का मजबूत साथी समाजवादी पार्टी के बीच कॉटे की टक्कर के आसार हैं! भाजपा भले ही दलितों और ओबीसी को पटाने के चक्कर में सवर्णों की सरजमीनी नाराजगी मोल ले चुकी है, जबकि समाजवादी नेता व उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक वोटरों को अपनी ओर खींचकर और कांग्रेस को साथ लेकर लोकसभा चुनाव 2024 और विधान परिषद चुनाव 2026 में भाजपा को अपनी मजबूत राजनीतिक ताकत का एहसास करवा चुके हैं। ऐसे में यूपी के सवर्ण वोटर यदि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाथ के सुशासन और विकास को ध्यान में रखते हुए भाजपा से जुड़े रहते हैं तो भाजपा मुकाबले में रहेगी, अन्यथा दलित और ओबीसी कानूनों को मजबूत करने और पूंजीवादी राज को प्रश्रय देने की कीमत उसे अपनी राज्य और केंद्र की सत्ता (2029) गंवा कर चुकानी पड़ेगी, जबकि भाजपा किसी भी कीमत पर यूपी की सत्ता गंवाना नहीं चाहती है। यही वजह है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने विपक्ष के राजनीतिक नैरेटिव को चुनौती देने के लिए नई रणनीति बनाई है? भाजपा की यह पदयात्रा महज जनसंपर्क अभियान नहीं है बल्कि इसके पीछे उसकी संगठनात्मक शक्ति प्रदर्शन, विपक्ष की घेराबंदी और चुनावी मुद्दों की दिशा तय करने की व्यापक कोशिश भी है। यदि भाजपा अपने दिग्गज नेताओं के मतभेद को काबू में करने में सफल हो जाती है तो लखनऊ में उसकी तीसरी सरकार बनने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा, क्योंकि वह कैडर बेस पार्टी है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की श्लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओश पदयात्रा के मेगा प्लान में बड़े बड़े नेताओं को लगाना इन्हीं राजनीतिक संदर्भों में समझना चाहिए। यह अभियान ऐसे समय हो रहा है, जब प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां धीरे–धीरे तेज हो रही हैं और भाजपा तथा विपक्ष के बीच चुनावी प्रक्रिया, संवैधानिक संस्थाओं और राजनीतिक विरोध के तौर–तरीकों को लेकर गंभीर बहस चल रही है। सबसे पहले जानिए कि आखिर पदयात्रा का कार्यक्रम क्या है? प्राप्त जानकारी के मुताबिक, भाजपा ने 3 से 5 नवंबर 2026 तक उत्तर प्रदेश के सभी छह संगठनात्मक क्षेत्रों में पदयात्राएं आयोजित करने की योजना बनाई है। इसका घोषित उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना और विपक्ष के आरोपों का जवाब देना है। इस सिलसिले में निर्धारित प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं। तारीख, स्थान और प्रमुख नेतृत्व 3 नवंबर को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पदयात्रा की और वोटरों के मूड को बदलने का सकारात्मक प्रयास किया। वहीं, 3 नवंबर को ही बरेली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने पदयात्रा की और वोटरों के मूड को समझने की सफल कोशिश की। वहीं, 4 नवंबर को गोरखपुर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पदयात्रा करेंगे। वहीं, 4 नवंबर को ही प्रयागराज में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पदयात्रा करेंगे। वहीं, 4 नवंबर को ही कानपुर में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पदयात्रा करेंगे। वहीं, 5 नवंबर को गाजियाबाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पदयात्रा होगी। तीन नवंबर को लखनऊ में लोकभवन से परिवर्तन चौक तक पदयात्रा का आयोजन किया गया है। पार्टी ने इसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और विभिन्न सामाजिक वर्गों की भागीदारी का लक्ष्य रखा और उसे पूरा किया। दूसरा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि आखिर विपक्ष के नैरेटिव का जवाब देने की भाजपा की रणनीति कितनी जबर्दस्त है? इस पदयात्रा का पहला राजनीतिक निहितार्थ विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों का जवाब देना है, क्योंकि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठा रहा है। जबकि भाजपा का कहना है कि चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाकर जनता के बीच भ्रम पैदा किया जा रहा है। इसलिए भाजपा ने श्लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओश जैसा दूरगामी असर वाला राजनीतिक संदेश चुना है। इसका अर्थ है कि पार्टी बहस को विपक्ष के आरोपों से हटाकर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन, राजनीतिक आचरण और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति उसके रवैये पर केंद्रित करना चाहती है। हालांकि, विपक्ष के आरोपों का जवाब केवल राजनीतिक सभाओं से नहीं, बल्कि पारदर्शी तथ्यों और संस्थागत जवाबदेही से भी देना आवश्यक होगा। तीसरा महत्वपूर्ण सवाल है कि आखिर एसआईआर और मतदाता सूची की बहस का राजनीतिक महत्व क्या है? इस अभियान के पीछे मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण भी एक महत्वपूर्ण संदर्भ है। इस मुद्दे पर दो अलग–अलग राजनीतिक दृष्टिकोण सामने हैंरू एक, भाजपा का पक्षरू मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन रखना स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए आवश्यक है। पार्टी इस प्रक्रिया के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना चाहती है। दो, विपक्ष का पक्षरू मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में पात्र मतदाताओं के नाम छूटने, पारदर्शिता और प्रशासनिक निष्पक्षता को लेकर आशंकाएं उठाई जा रही हैं। यहां महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या मतदाता सूची का पुनरीक्षण पूरी पारदर्शिता, उचित सूचना और आपत्ति दर्ज कराने के प्रभावी अवसर के साथ हो रहा है? लोकतंत्र में मतदाता सूची की शुद्धता जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदान का अधिकार सुरक्षित रखना भी है। इसलिए पदयात्रा के राजनीतिक संदेश के साथ–साथ एसआईआर पर तथ्यात्मक संवाद भी इस अभियान की कसौटी रहेगा। चौथा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि योगी आदित्यनाथ की राजनीतिक भूमिका और नेतृत्व का प्रदर्शन कैसा रहेगा? इस पदयात्रा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रिय भागीदारी के कई राजनीतिक पहलू हैं। एक, सरकार और संगठन के बीच तालमेल का प्रदर्शनरू मुख्यमंत्री के साथ केंद्रीय मंत्रियों, भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व और प्रदेश संगठन के प्रमुख नेताओं की भागीदारी से अभियान को राष्ट्रीय और प्रादेशिक दोनों स्तरों पर महत्व मिलता है।

उमर अब्दुल्ला की सरकार पर खतरा, जम्मू कश्मीर में शांति बनाए रखना जरूरी

संतोष

देश के कई अन्य राज्यों की तरह अब जम्मू कश्मीर में भी राजनीतिक उठापटक शुरू हो गई है। राज्य की उमर अब्दुल्ला की सरकार गहरे संकट में फंस गई है क्योंकि उनकी अपनी ही पार्टी के सांसद, विधायक और कई अन्य दिग्गज नेता उनके खिलाफ हो गए हैं। बडगाम से तीन बार विधायक रह चुके और 2024 के लोकसभा चुनाव में श्रीनगर से सांसद चुने गए नेशनल कॉन्फ्रेंस के आगा रूहुल्लाह मेहंदी ने सांसदी छोड़ने का ऐलान करते हुए पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उमर अब्दुल्ला को लेकर उनकी अपनी ही पार्टी में नाराजगी इस हद तक बढ़ चुकी है कि रूहुल्लाह ने मंगलवार को बडगाम में अपने पिता की पुण्यतिथि पर आयोजित की गई जनसभा में ही पार्टी और सांसदी, दोनों छोड़ने का ऐलान कर दिया। अब्दुल्ला परिवार की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू कश्मीर की पार्टी है और खासतौर से इसका प्रभाव कश्मीर घाटी में ही ज्यादा माना जाता है। कश्मीरियों के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा वापस हासिल करना एक भावनात्मक मुद्दा है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला हो या वर्तमान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, दोनों ही राज्य को फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा देने के साथ–साथ अनुच्छेद 370 को हटाए जाने का मुद्दा भी जोर–शोर से उठाते रहे हैं। ऐसे में आगा रूहुल्लाह मेहंदी के आरोपों ने पार्टी की बुनियाद को ही हिला दिया है। पार्टी छोड़ने का ऐलान करते समय उन्होंने आरोप लगाया कि उमर अब्दुल्ला बीजेपी के दबाव में 370 पर अपना रुख बदल चुके हैं। वैसे पार्टी में बगावत की शुरुआत विधायकों का एक गुट पहले ही कर चुका है। पार्टी के 25 विधायकों ने रविवार को ही फारूक और उमर अब्दुल्ला को 14 दिनों का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी थी कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुई तो वे सरकार से समर्थन वापस ले सकते हैं। आपको याद दिला दें कि, 5 अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद – 370 को हटाने के साथ ही इसे दो हिस्सों में बांट दिया गया था।जम्मू कश्मीर से लद्दाख को अलग कर, दोनों ही इलाके को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया था। इसके लगभग 5 वर्ष बाद सितंबर–अक्टूबर 2024 में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव करवाए गए। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कांग्रेस के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा। गठबंधन में हुए समझौते के मुताबिक, एनसी के हिस्से में 51 और कांग्रेस के हिस्से में 32 सीटें आईं और 5 सीटों पर दोनों दलों के उम्मीदवारों के बीच दोस्ताना मुकाबला हुआ। विधानसभा चुनाव में एनसी–कांग्रेस और अन्य पार्टियों के गठबंधन को जीत हासिल हुई। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में एनसी ने 42, बीजेपी ने 29 और कांग्रेस ने 6 सीटों पर जीत हासिल की। लेकिन मुख्यमंत्री की कमान संभालने के साथ ही उमर अब्दुल्ला के सामने कई मुश्किलें भी आने लगी। सबसे पहले झटका तो यही लगा कि कांग्रेस ने सरकार में शामिल होने से इनकार करते हुए बाहर से समर्थन देने का ऐलान कर दिया। इससे पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं को पूर्ण राज्य और अनुच्छेद 370 के जमाने की सरकार चलाने की आदत थी लेकिन इस सरकार में उन्हें कदम–कदम पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का सामना करना पड़ रहा था और दिल्ली की तरह जम्मू कश्मीर की पुलिस भी उनके अधीन नहीं थी। रही–सही कसर पार्टी नेताओं में उभरे असंतोष ने पूरी कर दी। नाराज विधायकों का अपने ही मुख्यमंत्री के खिलाफ 4 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल बनाकर मांगों की लंबी–चौड़ी फेहरिस्त रख देना अपने आप में एक बड़ा इशारा करता है कि हालात हाथ से निकल चुके हैं। नाराज विधायक उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी, सलाहकार पद से नासिर सोगामी के साथ ही ऐसे मंत्रियों को भी हटाने की मांग कर रहे हैं जो 2 साल से उमर अब्दुल्ला की सरकार में मंत्री है। वैसे तो इसे एक केन्द्र शासित प्रदेश की सत्तारूढ़ पार्टी के अंदर मचे घमासान की खबर कहकर टाला जा सकता है। लेकिन हमें यह कतई नहीं भूलना चाहिए कि भारत के सिर के इस ताज जम्मू कश्मीर पर नापाक पाक की बुरी नजर हमेशा लगी रहती है। पाकिस्तान में लगातार खराब होते राजनीतिक हालात, बिगड़ती अर्थव्यवस्था, बेलगाम होती जा रही महंगाई और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू कश्मीर के हिस्से में लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शन के बीच पाकिस्तान लंबे समय से राज्य के हालात को खराब करने का मंसूबा बना रहा है। ऐसे हालात में जम्मू कश्मीर में राजनीतिक स्थिरता बहुत जरूरी है और इसके लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को तुरंत कुछ बड़े कदम उठाने होंगे। पाकिस्तान इस हालात का फायदा उठाकर कोई बड़ी हरकत करने में कामयाब ना हो जाए, इससे बचने के लिए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को भी फौरन सेना, सुरक्षा बलों, पुलिस और इंटेलिजेंस के साथ मिलकर बड़ी रणनीति तैयार करनी पड़ेगी। यह समय बहुत महत्वपूर्ण है और इसलिए राज्य में राजनीतिक स्थिरता और शांति कायम रखने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अब्दुल्ला सरकार को बाहर से समर्थन दे रहे कांग्रेस के सर्वेसर्वा राहुल गांधी को भी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

अटल जी के सपनों से विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प तक, संस्कृति

राजेश अग्रवाल

छत्तीसगढ़ की माटी में इतिहास की गहराई है, संस्कृति की मिठास है, परंपराओं की सुगंध है और भविष्य की असीम संभावनाएं हैं। यहां के लोकगीतों में जीवन का संगीत है, लोकनृत्यों में उत्साह की उमंग है और जनजातीय परंपराओं में प्रकृति के साथ सहअस्तित्व का अद्भुत दर्शन समाहित है। यह वह धरती है, जहां श्रम को सम्मान, प्रकृति को आराधना और संस्कृति को जीवन का आधार माना जाता है। छत्तीसगढ़ केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि अपनी विशिष्ट भाषा, लोकजीवन, परंपराओं और गौरवशाली विरासत से निर्मित एक जीवंत सांस्कृतिक पहचान है। आज जब हम छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव के भव्य समापन के साक्षी बने हैं, तब मन गर्व, आत्मीयता और कृतज्ञता से भर उठता है। यह उत्सव केवल रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और समारोहों का आयोजन नहीं था, बल्कि छत्तीसगढ़ की आत्मा, अस्मिता, स्वाभिमान और विकास यात्रा का जीवंत उत्सव बनकर सामने आया। नवा रायपुर में आयोजित राज्योत्सव ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि हमारी सांस्कृतिक विरासत हमारी सबसे बड़ी शक्ति है और यही शक्ति विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की प्रेरणा भी है। अटल जी का ऐतिहासिक निर्णय, छत्तीसगढ़ के स्वाभिमान का नया अध्याय छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा का स्मरण पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के उल्लेख के बिना अधूरा है। उनके नेतृत्व में 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ एक स्वतंत्र राज्य के रूप में अस्तित्व में आया। यह ऐतिहासिक निर्णय इस अंचल की वर्षों पुरानी आकांक्षाओं, सांस्कृतिक पहचान और विकास की अपेक्षाओं को साकार करने वाला था। अटल जी ने छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान, यहां की जनभावनाओं और विकास की संभावनाओं को समझते हुए अलग राज्य के गठन का मार्ग प्रशस्त किया। उनका यह निर्णय छत्तीसगढ़ की जनता के लिए एक ऐतिहासिक सौगात बना। आज राज्य स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण होने पर हम अटल जी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, जिन्होंने छत्तीसगढ़ को अपनी नियति स्वयं गढ़ने और विकास की नई इबारत लिखने का अवसर प्रदान किया। अटल जी ने जिस छत्तीसगढ़ की आधारशिला रखी थी, उसे समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित राज्य के रूप में स्थापित करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। राज्योत्सव का प्रत्येक आयोजन हमें उनके इस ऐतिहासिक योगदान की याद दिलाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का जो संकल्प देश के सामने रखा है, उसमें छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्राकृतिक संसाधनों, कृषि संपदा, वन संपदा, खनिज संपदा, सांस्कृतिक विविधता और परिश्रमी मानव संसाधन से समृद्ध हमारा प्रदेश विकास की व्यापक संभावनाओं से परिपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विरासत के संरक्षण और विकास को एक–दूसरे का पूरक मानते हुए आगे बढ़ने की सोच को नई दिशा मिली है। इसी भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ में भी अपनी लोकसंस्कृति, जनजातीय परंपराओं, ऐतिहासिक धरोहरों और धार्मिक स्थलों के संरक्षण के साथ आधुनिक विकास को गति देने के प्रयास किए जा रहे हैं। हमारा विश्वास है कि विकास का वास्तविक अर्थ केवल भौतिक अधोसंरचना का विस्तार नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना भी है। हमारी सांस्कृतिक पहचान सुरक्षित रहे, गांव समृद्ध हों, किसान खुशहाल हों, महिलाएं सशक्त बनें और युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिलें, यही विकसित छत्तीसगढ़ की हमारी परिकल्पना है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संस्कृति और विकास को नई दिशा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और जनकल्याणकारी विकास की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में लोककला, लोकसंस्कृति, जनजातीय परंपराओं, पुरातात्विक धरोहरों और पर्यटन स्थलों का संरक्षण एवं संवर्धन महत्वपूर्ण स्थान रखता है। छत्तीसगढ़ की पहचान केवल उसकी प्राकृतिक संपदा से नहीं, बल्कि यहां की लोककलाओं, उत्सवों, धार्मिक आस्थाओं और विविध सांस्कृतिक परंपराओं से भी है। बस्तर दशहरा की अनूठी परंपरा हो, पंथी नृत्य की आध्यात्मिक चेतना हो, राउत नाचा का उल्लास हो, पंडवानी की अद्भुत कथावाचन शैली हो या सुआ और करमा गीतों की मधुरता, हमारी संस्कृति का प्रत्येक स्वर छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान को अभिव्यक्त करता है। मुख्यमंत्री साय के मार्गदर्शन में संस्कृति विभाग द्वारा प्रदेश की इस अमूल्य विरासत को संरक्षित करने, कलाकारों को प्रोत्साहित करने और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। हमारा उद्देश्य है कि छत्तीसगढ़ की लोककलाओं और परंपराओं को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहचान मिले। नवा रायपुर में 1 से 3 नवंबर तक आयोजित राज्योत्सव 2026 छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता, लोकजीवन और विकास की उपलब्धियों का भव्य संगम बना। तीन दिवसीय आयोजन में प्रदेश की समृद्ध कला, संस्कृति, परंपराओं और प्रतिभाओं को अपनी विशिष्ट पहचान के साथ प्रस्तुत करने का अवसर मिला। राज्योत्सव के मंच पर लोककलाओं और शास्त्रीय कलाओं की प्रस्तुतियों ने सांस्कृतिक विविधता का सुंदर परिचय दिया। पंडवानी, पंथी, सुआ, जनजातीय लोकनृत्यों, कथक और ओडिसी जैसी प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की व्यापकता और छत्तीसगढ़ की विशिष्ट लोकपरंपराओं का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। शिल्पग्राम में स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियों और पारंपरिक शिल्पकला ने उत्सव को विशेष पहचान दी। वहीं लोकप्रिय गायकों और कलाकारों की प्रस्तुतियों ने समारोह में संगीत के विविध रंग बिखेरे। यह आयोजन परंपरा और आधुनिकता के सुंदर संगम का प्रतीक बना। राज्योत्सव में विभिन्न विभागों की प्रदर्शनियों ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों की झलक प्रस्तुत की। इन प्रदर्शनियों के माध्यम से नागरिकों को प्रदेश में संचालित योजनाओं और विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी मिली। इस आयोजन को प्रदेश की सांस्कृतिक गरिमा और जनभावनाओं के अनुरूप स्वरूप प्रदान करने के लिए विभिन्न विभागों, कलाकारों, आयोजन से जुड़े अधिकारियों, कर्मचारियों और सहयोगी संस्थाओं ने समन्वित प्रयास किए। हमारा प्रयास रहा कि राज्योत्सव केवल एक औपचारिक शासकीय आयोजन न होकर जनभागीदारी, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और छत्तीसगढ़ की गौरवशाली पहचान का उत्सव बने। प्रदेश के स्थानीय कलाकारों, लोकनर्तकों, शिल्पकारों और सांस्कृतिक दलों को मंच प्रदान करना इस आयोजन की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में शामिल रहा। हम मानते हैं कि संस्कृति केवल अतीत की स्म

जौनपुर पुलिस ने 301 गुमशुदा मोबाइल बरामद कर मालिकों को लौटाए, कीमत करीब 60 लाख रुपये

अब तक 6.52 करोड़ रुपये कीमत के 2609 मोबाइल फोन बरामद कर स्वामियों को सौंपे





ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, 06 नवंबर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में साइबर क्राइम थाना, साइबर क्राइम सेल और विभिन्न थानों की साइबर सेल पुलिस टीम ने सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से 301 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 60 लाख रुपये है। पुलिस ने दीपावली पर्व पर मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को सौंपे। अब तक जिले में कुल 2609 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 6 करोड़ 52 लाख रुपये है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के आदेश पर पुलिस अधीक्षक नगर अनंत चंद्रशेखर के निर्देशन तथा सहायक पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी नगर सम्यक चौधरी के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, बरामद 301 मोबाइल फोन जौनपुर के विभिन्न थाना क्षेत्रों के अलावा आजमगढ़, वाराणसी, सुल्तानपुर, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, बलिया, प्रतापगढ़ और भदोही से बरामद किए गए। इसके अतिरिक्त दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, झारखंड, बिहार और राजस्थान से भी मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। इनमें वनप्लस, वीवो, रेडमी, ओप्पो, रियलमी, टेक्नो, पोको, नोकिया, एप्पल और सैमसंग समेत विभिन्न कंपनियों के मोबाइल शामिल हैं। बरामद मोबाइल फोन पाकर स्वामियों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने दीपावली के अवसर पर अपना खोया हुआ मोबाइल वापस मिलने पर जौनपुर पुलिस का आभार जताया। पुलिस ने अपील की है कि मोबाइल गुम होने पर तत्काल संबंधित थाने में गुमशुदगी दर्ज कराने के साथ सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत करें। साइबर अपराध का शिकार होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 या वेबसाइट www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं।

कार्यकर्ताओं के स्नेह से सजा अभिनंदन का समारोह, नीरज कन्नौजिया का हुआ स्वागत

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित मोर्चा का क्षेत्रीय मंत्री बनाए जाने के बाद नीरज कन्नौजिया का अयोध्या में विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। स्वागत समारोहों में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने फूल–मालाओं से उनका अभिनंदन कर नई जिम्मेदारी मिलने पर प्रसन्नता जताई।श्री परमहंस शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान विद्याकुल, अयोध्या में पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय की उपस्थिति में स्वागत समारोह आयोजित किया गया।यहां कार्यकर्ताओं ने नीरज कन्नौजिया को 51 किलो की विशाल माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। सभी ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए संगठन को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा जताई।वहीं, सर्किट हाउस सभागार में भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश पाण्डेय बादल की मौजूदगी में स्वागत कार्यक्रम आयोजित हुआ।इस अवसर पर अवधेश पाण्डेय बादल ने कहा कि नीरज कन्नौजिया को क्षेत्रीय मंत्री की जिम्मेदारी मिलना संगठन के लिए प्रसन्नता का विषय है। भाजपा में कार्यकर्ताओं की मेहनत, निष्ठा और समर्पण का सम्मान होता है।उन्हें विश्वास है कि नीरज कन्नौजिया अपनी नई जिम्मेदारी का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए संगठन को मजबूत करेंगे।पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने कहा कि भाजपा में संगठन के प्रति समर्पण और निरंतर परिश्रम करने वाले कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। नीरज कन्नौजिया को क्षेत्रीय मंत्री की जिम्मेदारी मिलना उनके संगठनात्मक योगदान का सम्मान है।नीरज कन्नौजिया ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन पर विश्वास जताकर जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। कार्यकर्ताओं से मिले स्नेह और सम्मान से उनका उत्साह बढ़ा है। वह सभी को साथ लेकर संगठन के विस्तार और अनुसूचित समाज के बीच पार्टी की नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने के लिए काम करेंगे।इस दौरान सतीश पाण्डेय, पूर्व ब्लाक प्रमुख विजय प्रताप सिंह पाली, राम मोहन भारती, दीप कमल चौधरी, संजय यादव, सूरज सोनकर, प्रदीप यादव, आशीष सिंह, रामप्रीत वर्मा,बाबूराम यादव, शारदा यादव, अनुराग त्रिपाठी और अभिषेक चौबे सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।



विदेश में मौत के बाद अपनों का सहारा बने रुश्दी मियां, 28 वर्षीय माकूल का पहुँचा पार्थिव शरीर

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। विदेश की धरती पर किसी अपने को खोने वाले परिवारों के लिए पूर्व विधायक अब्बास अली जैदी उर्फ रुश्दी मियां मददगार बनकर सामने आए हैं। विदेश में दम तोड़ने वाले लोगों के पार्थिव शरीर को स्वदेश मंगवाने के लिए उनकी पहल कई परिवारों के लिए राहत का जरिया बन रही है। रुदौली विधानसभा क्षेत्र ही नहीं, बल्कि अयोध्या जिले के दूसरे इलाकों और आसपास के जनपदों के गांवों तक उनकी मदद पहुंच रही है। इसी पहल के तहत सुल्तानपुर के 28 वर्षीय माकूल अहमद का पार्थिव शरीर शुक्रवार को भारत पहुंच गया। करीब दो साल पहले बेहतर भविष्य का सपना लेकर विदेश गए माकूल की घर वापसी ने परिवार को गमगीन कर दिया।माकूल अहमद पुत्र मकबूल अहमद सुल्तानपुर जिले के थाना बल्दीराय क्षेत्र के ग्राम पूरे चूरीहरन, हसाई मुकुंदपुर, पोस्ट मेघमऊ का निवासी था। शादी के महज दो महीने बाद वह परिवार की खुशहाली के लिए मजदूरी करने विदेश चला गया था। विदेश पहुंचने



के महज 15 दिन बाद ही उसके पिता का इंतकाल हो गया, लेकिन परिस्थितियां ऐसी बनीं कि वह पिता के अंतिम दर्शन तक नहीं कर सका। अब करीब दो साल बाद विदेश में उसकी मौत की खबर ने परिवार को एक बार फिर गहरे सदमे में डाल दिया है। बताया जा रहा है कि उसकी मौत हार्ट अटैक से हुई है।माकूल अपने पीछे पत्नी और करीब दो साल का मासूम बेटा छोड़ गया है। जिस बेटे को पिता की गोद और उंगली का सहारा मिलना था, वह अब उनकी यादों के सहारे बड़ा होगा। परिवार का दर्द इस बात से और बढ़ गया है कि माकूल का छोटा भाई भी महज 15 दिन पहले ही रोजी–रोटी की तलाश में विदेश गया है।विदेश में किसी की मौत के बाद पार्थिव शरीर को भारत लाने की प्रक्रिया परिवारों के लिए बड़ी चुनौती होती है। ऐसे समय में रुश्दी मियां की पहल से रुदौली विधानसभा क्षेत्र के अलावा अयोध्या जिले के अन्य इलाकों और आसपास के जनपदों के गांवों के लोगों के पार्थिव शरीर स्वदेश मंगवाने में सहयोग मिल रहा है। माकूल के पार्थिव शरीर को भारत पहुंचाने में भी उन्होंने पहल की। शुक्रवार को पार्थिव शरीर भारत पहुंचने के बाद परिवार को अपने बेटे की अंतिम विदाई का इंतजार खत्म हुआ।

मासूम की मौत पर सांसद की दोटूक चेतावनी, 24 घंटे में खुलासा नहीं तो सड़क पर होगा सत्याग्रह

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। इनायतनगर थाना क्षेत्र के सहुलारा गांव में आठ दिन पूर्व घर के सामने खेलते समय लापता हुए तीन वर्षीय मासूम सुधांशु उर्फ कल्लू का क्षत–विक्षत शव बृहस्पतिवार को घर के समीप स्थित बाग में झाड़ियों के बीच मिला। मासूम का सिर और धड़ अलग–अलग पड़े थे।जबकि उसके हाथ–पैर अभी तक बरामद नहीं हुए हैं। इस हृदयविदारक घटना से पूरे गांव में मातम पसरा है और परिवार में कोहराम मचा हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही अयोध्या–फैजाबाद के सांसद अवधेश प्रसाद सहुलारा गांव पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की और उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिया। इस दौरान सांसद ने प्रदेश की कानून–व्यवस्था पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मासूम बच्चे तक सुरक्षित नहीं हैं।प्रदेश में कानून–व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और जंगलराज कायम है। सांसद ने कहा कि एक तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दीपोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने अयोध्या आ रहे हैं।वहीं दूसरी तरफ मिल्कीपुर के सहुलारा गांव में एक मासूम की दर्दनाक मौत से मातम पसरा हुआ है।जिस सरकार में आम आदमी और मासूम बच्चे सुरक्षित न हों, उस सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने प्रशासन को 24 घंटे के भीतर घटना का खुलासा करने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय में घटना का पर्दाफाश नहीं हुआ तो पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए जोरदार सत्याग्रह किया जाएगा।



गौरतलब है कि बीते 29 अक्टूबर को सहुलारा गांव निवासी शोभनाथ उर्फ रोहित का तीन वर्षीय पुत्र सुधांशु उर्फ कल्लू घर के सामने खेलते समय अचानक लापता हो गया था।मासूम की मां की तहरीर पर इनायतनगर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की थी।आठवें दिन बृहस्पतिवार को घर के समीप बाग में झाड़ियों के बीच उसका क्षत–विक्षत शव बरामद हुआ।बताया जाता है कि पास के पेड़ से बंधे गोवंश के रस्सी तोड़कर भागने के बाद उसके पीछे पहुंचे पशुपालक की नजर झाड़ियों में पड़े शव पर पड़ी। सूचना मिलते ही इनायतनगर के प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव के अवशेष एकत्र कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। घटना के बाद इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों और परिजनों की निगाहें अब पुलिस की जांच और इस जघन्य घटना के खुलासे पर टिकी हैं।

दीपोत्सव की तैयारी पूरी, जिला व पुलिस अधिकारियों ने संभाली कमान



(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या में 7 नवंबर को होने वाले दसवें दीपोत्सव को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आयोजन को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए अधिकारियों और मजिस्ट्रेटों की अलग–अलग स्थलों पर तैनाती की गई है।

उप राष्ट्रपति के आगमन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रमों को देखते हुए एयरपोर्ट से श्रीराम जन्मभूमि, नया घाट, रामकथा पार्क और राम की पैड़ी तक अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है।रामकथा पार्क में मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह संपूर्ण व्यवस्थाओं की कमान संभालेंगे। मंच, विशिष्ट अतिथि दीर्घा, संत समाज और मीडिया गैलरी के लिए अलग–अलग अधिकारी तैनात किए गए हैं।

राम की पैड़ी पर अपर जिलाधिकारी अमित कुमार भट्ट आयोजन की निगरानी करेंगे। यहां मुख्यमंत्री के मंच, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अतिथियों के बैठने की व्यवस्था अलग–अलग अधिकारियों के जिम्मे होगी।दीप प्रज्ज्वलन से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी अपर जिलाधिकारी नगर एवं मेलाधिकारी दिनेश को सौंपी गई है। एयरपोर्ट पर अपर जिलाधिकारी कौशल कुमार विशिष्ट अतिथियों के आगमन और प्रस्थान की व्यवस्था संभालेंगे।वहीं एयरपोर्ट से नया घाट और श्रीराम जन्मभूमि तक मार्ग एवं शांति व्यवस्था की निगरानी अपर नगर आयुक्त भारत और डिप्टी कलेक्टर गजेंद्र सिंह करेंगे। साकेत महाविद्यालय बंधा तिराहे से रामकथा पार्क तक निकलने वाली शोभायात्रा की जिम्मेदारी मुख्य राजस्व अधिकारी गजेंद्र कुमार को दी गई है।उनके साथ जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार मिश्र और जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मोहन त्रिपाठी भी तैनात रहेंगे।

नया घाट स्थित सरयू आरती स्थल की संपूर्ण व्यवस्था अपर जिलाधिकारी प्रशासन विशु राजा और एसडीएम पवन कुमार शर्मा संभालेंगे। दीपोत्सव में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए यातायात, पार्किंग,बैरिकेडिंग और आवागमन की जिम्मेदारी अपर जिलाधिकारी इंद्राकांत द्विवेदी को सौंपी गई है।जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने कहा कि दीपोत्सव में श्रद्धालुओं और विशिष्ट अतिथियों की सुविधा एवं सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है।सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

देशभर की 3.80 लाख महिलाओं पर स्टडी में खुलासा, तनाव, नींद और पाचन की समस्या से जुड़ा बालों का झड़ना

ट्राया हेल्थ की रिसर्च में सामने आया क्षेत्रीय अंतर, पश्चिम बंगाल में तनाव और पेट की समस्या तो तमिलनाडु में नींद की कमी सबसे अधिक

ब्यूरो चीफ
सत्य प्रकाश उपाध्याय

नई दिल्ली। महिलाओं में बाल झड़ने की समस्या के पीछे केवल बाहरी कारण ही नहीं, बल्कि शरीर की अंदरूनी सेहत भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ट्राया हेल्थ की ओर से देशभर की 3,80,363 महिलाओं पर किए गए अध्ययन में तनाव, नींद की गुणवत्ता और पाचन संबंधी समस्याओं का बाल झड़ने से संबंध सामने आया है। 4 नवंबर 2026 को जारी श्फीमेल हेयर हेल्थ स्टडीश के अनुसार, अध्ययन में शामिल 95.8 प्रतिशत महिलाओं में बाल झड़ने की समस्या पाई गई। इनमें 53.7 प्रतिशत महिलाओं के बाल पतले होने, 22.1 प्रतिशत में मांग चौड़ी होने और 19.1 प्रतिशत में सिर के किनारों से बाल पतले होने की शिकायत सामने आई। अध्ययन के मुताबिक, 52 प्रतिशत महिलाएं मध्यम से उच्च स्तर के तनाव से प्रभावित हैं, जबकि 38.1 प्रतिशत महिलाओं की नींद पूरी नहीं हो रही है। वहीं, 51.7 प्रतिशत महिलाओं को एसिडिटी, गैस, पेट फूलने और कब्ज जैसी पाचन संबंधी समस्याएं हैं। करीब 46.6 प्रतिशत महिलाएं इन तीन में से कम से कम दो समस्याओं से जूझ रही हैं। ट्राया हेल्थ के अनुसार, लंबे समय तक तनाव रहने से कोर्टिसोल हार्मोन प्रभावित होता है, जिसका असर बालों के विकास चक्र पर पड़ सकता है। वहीं, पर्याप्त नींद नहीं मिलने से शरीर की प्राकृतिक मरम्मत प्रक्रिया प्रभावित होती है। पाचन संबंधी गड़बड़ी के कारण आयरन, विटामिन डी और जिंक जैसे जरूरी पोषक तत्वों का अवशोषण भी प्रभावित हो सकता है। ट्राया हेल्थ की सह–संस्थापक सलोनी आनंद ने कहा कि बालों का झड़ना केवल बाहरी समस्या नहीं है, बल्कि यह शरीर की अंदरूनी स्थिति से भी जुड़ा हो सकता है। कई महिलाएं बालों की समस्या दूर करने के लिए अलग–अलग उत्पादों और सप्लीमेंट्स का इस्तेमाल करती हैं, लेकिन तनाव, नींद और पाचन के साथ बालों की सेहत के संबंध को नजरअंदाज कर देती हैं। इस अध्ययन का उद्देश्य इसी संबंध के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

राज्यों के आंकड़ों में भी दिखा अंतर

अध्ययन में अलग–अलग राज्यों की महिलाओं की स्थिति में भी अंतर सामने आया। पश्चिम बंगाल में तनाव का स्तर 57.7 प्रतिशत और पाचन संबंधी समस्याएं 58.7 प्रतिशत दर्ज की गईं, जो देश में सबसे अधिक हैं। वहीं, तमिलनाडु में 43.1 प्रतिशत महिलाओं को नींद की कमी की समस्या मिली। तेलंगाना में तनाव 53.7 प्रतिशत और नींद की कमी 42.1 प्रतिशत रही।



राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 56 प्रतिशत महिलाओं को पाचन संबंधी समस्याएं पाई गईं, जो पश्चिम बंगाल के बाद दूसरा सबसे अधिक आंकड़ा है। उत्तर प्रदेश में तनाव का स्तर 50.1 प्रतिशत, नींद की कमी 34.7 प्रतिशत और पाचन संबंधी समस्याएं 53.2 प्रतिशत दर्ज की गईं।

अध्ययन में यह भी सामने आया कि सिर के किनारों से बाल पतले होने और मांग चौड़ी होने की समस्या वाली महिलाओं में तनाव, नींद की कमी और पाचन संबंधी परेशानियां सामान्य रूप से बाल पतले होने वाली महिलाओं की तुलना में अधिक थीं। ट्राया हेल्थ के मुताबिक, बालों की बेहतर सेहत के लिए केवल बाहरी उत्पादों पर निर्भर रहने के बजाय तनाव, पर्याप्त नींद, पोषण और पाचन संबंधी समस्याओं पर भी ध्यान देना जरूरी है। जरूरत पड़ने पर चिकित्सकीय जांच और विशेषज्ञ की सलाह के आधार पर उपचार कराना चाहिए।

धनतेरस, दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,भैया दूज पर्व पर सभी जनपद वासियो को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं



डा. मनीष कुमार मिश्रा
जय मां विंध्यवासिनी मेडिकल स्टोर
बेवा चौराहा सिद्धार्थनगर
9918165754

धनतेरस, दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,भैया दूज पर्व पर सभी जनपद वासियो को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं



मिश्रा मेडिकल स्टोर
प्रोपराइटर
राजकमल मिश्रा
पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य
सुचितागंज सोहावल, अयोध्या
मोबाइल नं – 9936585244

धनतेरस, दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,भैया दूज पर्व पर सभी जनपद वासियो को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं



अवध मेडिकल हॉल
चर्म, गुप्त, कुष्ठ रोग क्लीनिक, मसौधा
प्रोपराइटर – दानिश अनीश वेग
मोबाइल – 7800009005

धनतेरस,दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,भैया दूज पर्व पर सभी जिले वासियो, छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनायें



ओंकार नाथ (प्रधानाचार्य)
राजकीय इंटर कालेज
जनपद - अयोध्या,उत्तर प्रदेश
मोबाइल - 9807238245

धनतेरस, दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,भैया दूज पर्व पर सभी जनपद वासियो को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं



डा. विकास कुमार चौधरी
सीएससी अधीक्षक
बीवा चौराहा, सिद्धार्थ नगर
मो0 नं0 - 9627929933

धनतेरस,दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,भैया दूज पर्व पर सभी जनपद वासियो को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं



पंडित ऋषिकांत शर्मा
समाजसेवी
अयोध्या, उत्तर प्रदेश

धनतेरस, दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,भैया दूज पर्व पर सभी जनपद वासियो को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं



अंकित शर्मा
1/7, वास्तु खंड गोमती नगर लखनऊ
कोतवाली नगर क्षेत्र में कानून व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने व समाज को अपराध मुक्त बनाने में हमेशा तत्पर

धनतेरस,दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,भैया दूज पर्व पर आप सभी जिले वासियो को हार्दिक बधाई व शुभकामनायें



अमन श्रीवास्तव
(एडवोकेट)
शेड संख्या – 6 सिविल कोर्ट अयोध्या,
उत्तर प्रदेश मोबाइल नं0 – 8382922701

धनतेरस,दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,भैया दूज पर्व पर सभी जिले वासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनायें



अजीत गुप्ता
मेसर्स मां शारदा इंटरप्राइजेज
सेल्स प्रमोटर/ सी&एफ
जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड
अयोध्या, अंबेडकरनगर
मोबाइल नं – 9919005097

धनतेरस,दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,भैया दूज पर्व पर सभी जनपद वासियो को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं



डा. अजय तिवारी
अवध क्लिनिक
शाहजहांपुर, अयोध्या, उत्तर प्रदेश

धनतेरस,दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,भैया दूज पर्व पर सभी जनपद वासियो को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं



डा.तपन चौधरी
जनरल फिजीशियन शहनवां
अयोध्या, उत्तर प्रदेश

धनतेरस,दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,भैया दूज पर्व पर सभी जिला वासियो,छात्रों, अभिभावकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनायें



हिमांशु श्रीवास्तव
(सहायक अध्यापक)
प्राथमिक विद्यालय खेमापुर वस्तौली, विकास खंड – पूरेडलई, जनपद – बाराबंकी, (उत्तर प्रदेश)

धनतेरस,दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,भैया दूज पर्व पर देश व प्रदेश के सभी लोगो को हार्दिक बधाई व शुभकामनायें



राजीव मेहता
(हेड स्टेट यूपी)
कनोडिया ग्रुप के प्रीमियम उत्पाद बिगसेम की मार्केटिंग टीम , मोबाइल नंबर – 80518 82299

धनतेरस,दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,भैया दूज पर्व पर समस्त देश वासियो को हार्दिक बधाई व शुभकामनायें



मनोज श्रीवास्तव
राष्ट्रीय अध्यक्ष
भारतीय केसरिया वाहिनी,
मोबाइल नं – 9389577220

धनतेरस,दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,भैया दूज पर्व पर सभी जनपद वासियो को हार्दिक बधाई व शुभकामनायें



डा. आर पी सिंह
एआरटीओ (प्रशासन)
अयोध्या ,उत्तर प्रदेश
मोबाइल नं – 9454699990

धनतेरस,दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,भैया दूज पर्व पर सभी क्षेत्र वासियो को हार्दिक बधाई व शुभकामनायें



किरन पाल
चौकी प्रभारी
मीरनघाट पुलिस चौकी थाना – कैंट ,
सिटी सर्किल, अयोध्या उत्तर प्रदेश

धनतेरस,दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,भैया दूज पर्व पर सभी क्षेत्र वासियो को हार्दिक बधाई व शुभकामनायें



शुभम सिंह
चौकी प्रभारी
सदर बाजार पुलिस चौकी, थाना –
कैंट सिटी सर्किल, अयोध्या, उत्तर प्रदेश

धनतेरस,दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,भैया दूज पर्व पर सभी जिले वासियो को हार्दिक बधाई व शुभकामनायें



श्वेता वर्मा
परियोजना निदेशक
जिला ग्राम्य विकास अभिकरण,
अयोध्या, उत्तर प्रदेश

धनतेरस,दसवें दीपोत्सव,छोटी व बड़ी दीपावली,भैया दूज पर्व पर सभी जिले वासियो को हार्दिक बधाई व शुभकामनायें



प्रोपराइटर आनंद कुमार लखमानी
परम्परा ब्रेकर्स – प्रेस्टी शाप एंड कास्मेटिक गिफ्ट इंपोरियम शाप
देवकाली – अयोध्या, उत्तर प्रदेश मोबाइल नं0– 9807238245

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।